भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.4241

दिनांक 26.03.2025 को उत्तर देने के लिए

खनिज अन्वेषण के लिए भारत और सऊदी अरब द्वारा संयुक्त अनुसंधान पहल

4241. श्री प्रदीप कुमार सिंह:

श्री छत्रपाल सिंह गंगवार:

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (जीएसआईटीआई), हैदराबाद द्वारा सऊदी अरब, अफ्रीका और मध्य एशिया के भू-वैज्ञानिकों को किस विशिष्ट क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा;

(ख) भारत और सऊदी अरब के बीच खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में किन निवेश अवसरों पर चर्चा की गई है;

(ग) क्या खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में भारत और सऊदी अरब के बीच कोई संयुक्त अनुसंधान पहल की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (जीएसआईटीआई), हैदराबाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) मंच के माध्यम से एशिया, मध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों के भूवैज्ञानिकों को भूविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जीएसआईटीआई भागीदार देशों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

वर्ष 2025-26 के लिए, जीएसआई ने आईटीईसी मंच के अंतर्गत निम्नलिखित भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में चार प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित किए हैं:

i. भूवैज्ञानिकों के लिए सुदूर संवेदन और डिजिटल छवि प्रसंस्करण;
ii. भूवैज्ञानिकों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली;
iii. भूवैज्ञानिक मानचित्रण और खनिज गवेषण के मूल सिद्धांत; और
iv. भूभौतिकीय मानचित्रण और भूवैज्ञानिक व्याख्या के मूल सिद्धांत।

(ख) संसाधन संपन्न देशों में निवेश के संबंध में संभावित निवेश के अवसर; महत्वपूर्ण खनिज गवेषण, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण पर सहयोग; स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना आदि पर चर्चा की गई है।

(ग) और (घ) भारतीय पक्ष, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और सऊदी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बीच समझौता ज्ञापन के लिए सऊदी अरब पक्ष के साथ चर्चा कर रहा है, जो अन्य बातों के साथ-साथ खनिज गवेषण में संयुक्त अनुसंधान शुरू करने में सहायक हो सकता है।

*****